NCERT SOLUTIONS

CLASS - 10th

aglasem.com

Class :- 10th
Subject :- हिंदी
Chapter :- 11
Chapter Name :- बालगोबिन भगत

Q1 खेतीबारी से जुड़े गृहस्थ बालगोबिन भगत अपनी किन चारित्रिक विशेषताओं के कारण साधु कहलाते थे?
Answer.
बालगोबिन भगत गृहस्थ थे, वे साधु तो थे पर वह परंपरागत साधु जैसे नहीं थे, उनके चारित्रिक विशेषताएं इस प्रकार है:-कबीर को मानते थे, उन्हीं के गीत गाते थे।किसी से बिना कारण से बड़ा मॉल नहीं लेते थे।वे दूसरों की चीज को ना तो छूते ना ही व्यवहार में लाते।वे सुख-दुख की भावना से ऊपर थे।

Page :- 74 , Block Name :- प्रश्न अभ्यास

Q2 भगत की पुत्रवधू उन्हें अकेले क्यों नहीं छोड़ना चाहती थी?
Answer.
भगत के बेटे की आकस्मिक मृत्यु के बाद भगत ने पुत्रवधू को उसके भाई के साथ भिजवा दिया। वह जाना नहीं चाहती थी क्योंकि भगत जी बूढ़े थे पुत्रवधू को उनकी भोजन की चिंता थी तथा बीमार पड़ने पर उनकी सेवा कौन करेगा? यह सब सोचकर वह भगत जी को अकेला नहीं छोड़ना चाहती थी।

Page :- 74 , Block Name :- प्रश्न अभ्यास

Q3 भगत ने अपने बेटे की मृत्यु पर अपनी भावनाएँ किस तरह व्यक्त कीं?
Answer.
अपने एकमात्र पुत्र की मृत्यु पर भगत विचलित नहीं हुए। पुत्र को चटाई पर लेटा सफेद कपड़े से ढक दिया; फुल बिखेर दिए और सिरहाने दीपक जला दिया। उसके समीप बैठकर कजडी बजाते हुए गाते रहें।रोती हुई पतोहू को चुप कराते हुए बोले मृत्यु का अवसर रोने का नहीं उत्सव मनाना ही का है क्योंकि तब आत्मा परमात्मा से मिलती है।विरहिनी अपने प्रियतम से मिलती है।

Page :- 74 , Block Name :- प्रश्न अभ्यास

Q4 भगत के व्यक्तित्व और उनकी वेशभूषा का अपने शब्दों में चित्र प्रस्तुत कीजिए।
Answer.
बालगोबिन भगत मंझले कद गोरे चिट्टे आदमी थे। वे साठ साल के ऊपर के व्यक्ति थे।उनके बाल सफेद थे वह बहुत कम कपड़े पहनते थे,उनकी कमर में केवल लंगोटी बंधी रहती थी और सिर पर कबीरपंथी की कनपट्टी टोपी पहने रहते थे। मस्तक पर रामनंदी तिलक लगाए रहते थे और गले में तुलसी की जड़ों की बेडाल माला बांधे रहते थे।
Page :- 74 , Block Name :- प्रश्न अभ्यास

aglasem.com

Q5 बालगोबिन भगत की दिनचर्या लोगों के अचरज का कारण क्यों थी?
Answer.
बालगोबिन भगत के अचरज का कारण थी,ना जाने कब अंधेरे में अपनी दिनचर्या शुरू करते थे।वह नदी स्नान कराते और गांव के बाहर चबूतरे पर खजडी बजाकर गाने लगते।अपने खेत जोतते और रोपनी करते।बाकी समय खजडी बजाकर गाने में बिताते। वे इतना काम करते थे यही लोगों में अचरज का कारण था।

Page :- 74 , Block Name :- प्रश्न अभ्यास

Q6 पाठ के आधर पर बालगोबिन भगत के मधुर गायन की विशेषताएँ लिखिए।
Answer.
भगत जी कबीर के गीत गाते थे। वे बहुत मस्ती से गाया करते थे, कबीर के पद। उनके गीत सुनकर लोग मंत्रमुग्ध हो जाते थे। उनका सुर बहुत मधुर था। औरतें उस गीत को गुनगुनाने लगती थी। उनके गीत का मनमोहक प्रभाव सारे वातावरण में छा जाता था।

Page :- 74 , Block Name :- प्रश्न अभ्यास

Q7 कुछ मार्मिक प्रसंगों के आधार पर यह दिखाई देता है किबालगोबिन भगत प्रचलित सामाजिक मान्यताओं को नहीं मानते थे। पाठ के आधार पर उन प्रसंगों का उल्लेख कीजिए।
Answer.
बालगोबिन भगत प्रचलित मान्यताओं को नहीं मानते थे। उदाहरण स्वरूप:-वे अपने एकलोते पुत्र की मृत्यु से विचलित नहीं हुए।वे अपनी पुत्रवधू को रोने की स्थान पर उत्सव मनाने को कहते हैं क्योंकि आत्मा परमात्मा के पास चली गई।समाज की परवाह ना कर वह अपनी पुत्रवधू को दूसरी शादी करने का आदेश देते हैं।अन्य साधुओं की तरह भिक्षा मांगकर खाने के विरोधी थे।

Page :- 74 , Block Name :- प्रश्न अभ्यास

aglasem.com

Q8 धान की रोपाई के समय समूचे माहौल को भगत की स्वर लहरियाँ किस तरह चमत्कृत कर देती थीं? उस माहौल का शब्द-चित्र प्रस्तुत कीजिए।
Answer.
धान की रोपाई के समय समूचे माहौल को भगत जी की स्वर लहरिया चमत्कृत कर देती थी।आषाढ़ की रिमझिम में समूचा गांव खेतों में उमड़ पड़ता। कहीं हल चलते और कहीं धान की रोपाई हो रही होती। धान के पानी भरे खेतों में बच्चे उछल कूद कर रहे होते,औरतें कलेवा लेकर खेतों की मुंडेर पर बैठती।चारों ठंडी हवा चल रही होती, ऐसे समय में बालगोबिन भगत के स्वरों की झंकार सबको कानों में सुनाई देती। बालगोबिन भगत समूचे शरीर पर कीचड़ से लिथडे अपने खेतों में धान की रोपाई करते हुए ऊंचे स्वर में गीत गाते। सभी बच्चे खेलते हुए झूमते। रोपनी करने वालों की अंगुलियां एक अजीब क्रम में संगीत के जादू से तेज चलने लगती थी।

Page :- 74 , Block Name :- प्रश्न अभ्यास

Q9 पाठ के आधार पर बताएँ कि बालगोबिन भगत की कबीर पर श्रद्धा किन-किन रूपों में प्रकट हुई है?
Answer.
बालगोबिन भगत के मन में कबीर के प्रति सच्ची श्रद्धा की भावना थी। वह गृहस्थ जीवन में बंधकर भी साधु समान जीवन व्यतीत करते थे।वह फसलों को कबीर मठ में अर्पित करके प्रसाद रूप में पाई फसलों का ही उपभोग करते थे।कबीरपंथियों जैसा संत स्वभाव,वेशभूषा,काली कमली धारण, आदि विशेषताएं भगत जी की कबीर के प्रति श्रद्धा व्यक्त करती है।वह समाज में प्रचलित मान्यताओं को नहीं मानते थे।

Page :- 74 , Block Name :- रचना और अभिव्यक्ति

Q10 आपकी दृष्टि में भगत की कबीर पर अगाध श्रद्धा के क्या कारण रहे होंगे?
Answer.
भगत की कबीर पर अगाध श्रद्धा के निम्नलिखित कारण रहे होंगे:-कबीर का आडंबरो से रहित सादा जीवन।सामाजिक कुरीतियों का अत्यंत विरोध करना।ईश्वर के प्रति अनन्य प्रेम।भक्ति से परिपूर्ण मधुर गीतों की रचना।आदर्शों को व्यवहार में उतारना।

Page :- 74 , Block Name :- रचना और अभिव्यक्ति

Q11 गाँव का सामाजिक-सांस्कृतिक परिवेश आषाढ़ चढ़ते ही उल्लास से क्यों भर जाता है?
Answer.
गांव का सामाजिक सांस्कृतिक परिवेश आषाढ़ चढ़ते ही उल्लास से इसलिए घर जाता था क्योंकि आषाढ़ की रिमझिम बारिश में भगत जी अपने मधुर गीतों को गुनगुना कर खेती करते थे। उनके इन गीतों के प्रभाव से सारी स्त्रियां भी गुनगुनाने लगी थी।बच्चे झूमने लगते।इसी प्रकार गांव का परिवेश उल्लास से भर जाता।

aglasem.com

Page :- 74 , Block Name :- रचना और अभिव्यक्ति

Q12 "ऊपर की तसवीर से यह नहीं माना जाए कि बालगोबिनभगत साधु थे।" क्या 'साधु' की पहचान पहनावे के आधार पर की जानी चाहिए? आप किन आधारों पर यह सुनिश्चित करेंगे कि अमुक व्यक्ति 'साधु' है?
Answer.
'नही' साधु की पहचान केवल पहनावे से नहीं की जा सकती। एक साधु की पहचान उसके आचार व्यवहार तथा उसकी जीवन प्रणाली पर आधारित होती है यदि व्यक्ति का आचरण सत्य, अहिंसा, त्याग, लोक कल्याण से युक्त है तभी वे साधु है। साधु का जीवन सात्विक होता है।

Page :- 74 , Block Name :- रचना और अभिव्यक्ति

Q13 मोह और प्रेम में अंतर होता है। भगत के जीवन की किस घटना के आधार पर इस कथन का सच सिद्‌ध करेंगे?
Answer.
मोह और प्रेम में अंतर होता है। मोह में मनुष्य केवल अपने स्वार्थ की चिंता करता है जबकि प्रेम में वह अपने प्रियजनों का हित देखता है। भगत को अपने पुत्र तथा अपनी पुत्रवधू से अगाध प्रेम था परंतु उनके प्रेम में कभी सीमा को पार कर मोह का रूप धारण नहीं किया। वह चाहते तो मोह वश अपनी पुत्रवधू को अपने पास रोक सकते थे परंतु उन्होंने अपनी पुत्रवधू को उसके भाई के साथ भेजकर उसके दूसरे विवाह का निर्णय किया। इस प्रकार उनके द्‌वारा प्रकट होता है।

Page :- 74 , Block Name :- रचना और अभिव्यक्ति

Q14 इस पाठ में आए कोई दस क्रियाविशेषण छाँटकर लिखिए और उनके भेद भी बताइए।
Answer.

*धीरे धीरे	रीतिवाचक क्रियाविशेषण
*जब जब	कालवाचक क्रियाविशेषण
*थोड़ा	परिमाणवाचक क्रियाविशेषण
*उस दिन भी संध्या	कालवाचक क्रियाविशेषण
*बिल्कुल कम	परिमाणवाचक क्रियाविशेषण
*सवेरे ही	कालवाचक क्रियाविशेषण
*हर वर्ष	कालवाचक क्रियाविशेषण
*दिन दिन	कालवाचक क्रियाविशेषण
*हंसकर	रीतिवाचक क्रियाविशेषण
*जमीन पर	स्थानवाचक क्रियाविशेषण

Page :- 74 , Block Name :- रचना और अभिव्यक्ति

aglasem.com